नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

5 भाजपा की तिरंगा यात्रा में सड़कों पर उतरे हजारों लोग

6 खुली आंखों से देखे सपने और विंध्य का विकास

7 अब हर ट्रेन में लगेंगे चार जनरल कोच, भीड़ से मिलेगी राहत

8 भारत ने श्रीलंका को हराया, पडिक्कल-जडेजा चमके

हर घर तिरंगा अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर लगाया तिरंगा

- डॉ. यादव की फोटो लेने के लिए छात्र-छात्राओं के बीच लगी होड़
- प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने का किया आहवान
- भोपाल को कोलकाता और पटना से मिली एयर कनेक्टिविटी

10 नए एयरपोर्ट प्रदेश में बनाए जाएंगे

09 अगस्त से आरंभ होकर 14 अगस्त तक चलेगा

भोपाल, 9 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान - तिरंगा यात्रा का तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में तिरंगा यात्रा आरंभ करने की विधिवत घोषणा की तथा तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे, पहले मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा लगाया और वे हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री निवास से तिरंगा लेकर रवाना हुए. मुख्यमंत्री निवास का समस्त स्टॉफ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समत्व भवन तक पैदल पहुंचा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवास से मोटरसाइकिल पर तात्या टोपे स्टेडियम के लिए रवाना हुए. स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, राज्यमंत्री कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद भोपाल आलोक शर्मा, भोपाल महापौर मालती राय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि आज ही के दिन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था. महात्मा गांधी के आव्हान पर गुलामी के विरुद्ध आरंभ हुए इस निर्णायक संघर्ष ने अंग्रेजों की चूलें हिला दिला दी थीं. इस आंदोलन से विश्व ने भारत में आजादी की ललक देखी.

देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान और संघर्ष के साथ ही अहिंसक आंदोलन से पूरे देश में ज्वार उठा. इसी के परिणाम स्वरुप 5 सालों में ही अंग्रेजों को घोषित तिथि से पहले ही देश को आजादी देनी पड़ी. सभी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से ही भारत आजाद हुआ. हर घर तिरंगा अभियान सभी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है. यह अभियान आज 9 अगस्त से आरंभ होकर 14 अगस्त तक चलेगा.प्रदेश के हर गांव, वार्ड, कस्बे, से लेकर राजधानी तक तिरंगा यात्राएं निकाली जाएगी और अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होंगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने का आव्हान भी किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में टी.टी. नगर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा आरंभ हुई. यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स, स्वयं सेवी संगठनों के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, न्यू मार्केट और माता मंदिर क्षेत्र के व्यापारी, और स्थानीय जन शामिल हुए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा स्टेडियम से महाराणा प्रताप लोक, टीन शेड, सांदीपनि विद्यालय टी.टी नगर पहुंची. यहां से मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोटर साइकिल पर तिरंगा लेकर रवाना हुए और न्यू मार्केट, रोशनपुरा, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री निवास पहुंचे.

हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें : मोदी

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए देशवासियों को तिरंगा अभियान से जुड़ने का आग्रह किया. हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। आइए, हम हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं। खुशी है कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं, और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं.

जेपीएससी के 3 सदस्यों का इस्तीफा मंजूर

रांची, 9 अगस्त. झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं. इस बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग के तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के पद से दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं. झारखंड लोक भवन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर राज्यपाल ने यह फैसला लिया. राजभवन की ओर से बताया गया कि तीनों सदस्यों ने जेपीएससी में अपने पद से इस्तीफा दिया था. छात्र संगठनों की ओर से परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार और कथित अनियमितताओं की जांच समेत कई मांगें उठाई जा रही हैं.

हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत

धार, 09 अगस्त. धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्राले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई. वैन में सवार सभी छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई. वे गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे.

गाड़ी की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके. ट्राला ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है. हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ. सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे. स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला. ट्रॉला रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था. इसमें लोहे का सामान भरा था. वहीं, मारुति ईको वैन उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी.

तीन लोगों की पहचान हुई

हादसे में जान गंवाने वाले सभी 6 लोग आपस में दोस्त थे. इनमें से तीन की पहचान- मयूर कुमार पिता प्रकाश भाई निवासी गोधरा, विशाल कुमार पिता रमेश भाई निवासी पंचमहाल, राकेश पिता भूपतसिंह मकवाना निवासी पंचमहाल के रूप में हुई. इनमें से एक रॉयल एन्फील्ड शोरूम में काम करता था. बाकी पांच फाइनेंस कंपनी में थे.

जंग के बाद पहली बार कैमरे में दिखे मुजतबा खामेनेई

तेहरान, 09 अगस्त. ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का लंबे समय बाद वीडियो सामने आया है. ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने यह वीडियो जारी किया है. फुटेज में मुजतबा खामेनेई लोगों के बीच जमीन पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनसे बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं.

हालांकि, वीडियो की रिकॉर्डिंग की तारीख और जगह की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है. इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि फुटेज हाल की है या पहले रिकॉर्ड की गई थी. मुजतबा खामेनेई के सुप्रीम लीडर बनने के बाद से उनकी सार्वजनिक मौजूदगी बेहद सीमित रही है. उनके नाम से सरकारी मीडिया पर लिखित संदेश सामने आते रहे, लेकिन वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई नहीं दिए. जुलाई में अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान भी मुजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे.

इसी गैरमौजूदगी के बीच उनकी सेहत को लेकर अलग-अलग दावे सामने आते रहे. मार्च में एक इजराइली अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया था कि इजराइली खुफिया आकलन के अनुसार मुजतबा फरवरी के हमलों में हल्के रूप से घायल हुए थे. उस समय उनकी सार्वजनिक मौजूदगी नहीं होने को चोट से जोड़कर देखा गया था.

मानसून सत्र में आज लोकसभा में 4 बड़े बिल हो सकते हैं पेश

- राज्यसभा में बैंकर्स बुक्स बिल होगा पेश
- केरल का नाम 'केरलम' करने से जुड़े विधेयक पर नजर

नई दिल्ली, 9 अगस्त. संसद के मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच आज लोकसभा और राज्यसभा में चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश हो सकते है.

इनमें केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने से संबंधित विधेयक के साथ ट्रिब्यूनल सुधार, खनन और सहकारिता से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दल विभिन्न मुद्दों को लेकर लगातार विरोध और नारेबाजी कर रहे हैं। इसके चलते लोकसभा की कार्यवाही कई बार बाधित हुई है। ऐसे में सोमवार को भी सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाना सरकार के सामने चुनौती हो सकती है। मोदी सरकार महिला आरक्षण, परिसीमन और एफसीआरए विधेयक इसी सत्र में लाने जा रही है. वहीं राज्यसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट से जुड़े विधेयक को पेश करेंगी.

इसके साथ ही ट्रिब्यूनल सुधार, खनन और सहकारिता से जुड़े विधेयक भी सरकार के विधायी एजेंडे का हिस्सा हैं। राज्यसभा में बैंकर्स बुक्स से संबंधित विधेयक पेश किए जाने के बाद उस पर सदन की प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। कुल मिलाकर सोमवार का दिन संसद के मानसून सत्र में विधायी कामकाज के लिहाज से अहम रहने वाला है.

एयर इंडिया पायलट डोप टेस्ट में फेल

- एयर इंडिया बोली- रिपोर्ट अभी हमारे पास नहीं आई
- फुकेट-दिल्ली फ्लाइट में 137 यात्री सवार हुए थे

नई दिल्ली. फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट ए2379 में टर्बुलेंस की घटना के बाद पायलट के डोप टेस्ट को लेकर नया मामला सामने आया है. सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि फ्लाइट के कप्तान का पोस्ट-फ्लाइट डोप टेस्ट साइकोएक्टिव पदार्थों के लिए पॉजिटिव आया है.

रिपोर्ट सामने आने के बाद उन्हें उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है. हालांकि, इस दावे की अभी एयर इंडिया ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट के बाद नियमों के तहत पायलटों का ड्रग टेस्ट कराया गया था, लेकिन उसकी रिपोर्ट अभी एयरलाइन को उपलब्ध नहीं कराई गई है. इसलिए वह टेस्ट के नतीजे पर टिप्पणी नहीं कर सकती. यह मामला 4 अगस्त को हुई घटना से जुड़ा है. एयर इंडिया की एयरबस ए 320 फ्लाइट फुकेट से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी. उड़ान के दौरान विमान को अचानक तेज टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा.

रिपोर्टों के मुताबिक, इस दौरान विमान की ऊंचाई में करीब 300 फीट की अचानक कमी आई. घटना के बाद कई यात्रियों और क्रू सदस्यों को चोटें आई.फुकेट-दिल्ली फ्लाइट में 13 यात्री और 4 क्रू घायल हुए थे, कुल 137 यात्री सवार हुए थे. दिल्ली पहुंचने पर 13 यात्रियों और 4 क्रू सदस्यों को चिकित्सा जांच और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया.

जांच पूरी होने तक क्रू को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया

घटना के बाद विमान के दोनों पायलटों और पूरे क्रू को जांच पूरी होने तक उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है. जांच में यह देखा जा रहा है कि टर्बुलेंस के दौरान विमान को संभालने में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन हुआ या नहीं. साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विमान की ऊंचाई में अचानक बदलाव की वजह क्या थी. मामले की जांच में टर्बुलेंस की प्रकृति और मौसम संबंधी परिस्थितियों के साथ-साथ विमान की तकनीकी स्थिति भी देखी जा रही है. जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि विमान में किसी तकनीकी खराबी की वजह से तो ऊंचाई में अचानक बदलाव नहीं आया था.

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से फोन पर की बात

नई दिल्ली, 09 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया. दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की.

पीएम मोदी ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन प्राप्त हुआ. हमने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में और मजबूती प्राप्त करने के तरीकों पर चर्चा की. मैंने उन्हें और सेकेंड लेडी को पुत्र के जन्म पर हार्दिक बधाई दी और पूरे परिवार के लिए शुभकामनाएं दीं. बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने भारत-अमरीका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की. पीएम मोदी औरउपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा सुरक्षा तथा महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई. साथ ही, आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया.

मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट के साथ शेयर की रील

जो खेलेगा, वो खिलेगा : पीएम

नई दिल्ली, 09 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की. प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ अपनी मुलाकात की एक 32 सेकेंड की रील सोशल मीडिया पर साझा की.

वीडियो में पीएम मोदी गोल्ड मेडल जीतने वाली मुक्केबाज साक्षी चौधरी और अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ नजर आए. इस दौरान उन्होंने खेलों को प्रोत्साहित करते हुए कहा—'जो खेलेगा, वो खिलेगा.'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने कुल 39 पदक अपने नाम किए. भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक जीते. इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा. भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में कई खेलों का योगदान रहा, लेकिन बॉक्सिंग सबसे बड़ा पदक दिलाने वाला खेल रहा. भारतीय मुक्केबाजों ने कुल 10 पदक जीते. इनमें 7 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल रहे. इस तरह भारत के कुल 39 पदकों में अकेले बॉक्सिंग की हिस्सेदारी 10 पदकों की रही. यानी भारतीय दल को मिले लगभग हर चार पदकों में से एक पदक बॉक्सिंग से आया. एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने 10 पदक जीते. हालांकि, इस खेल में भारत को कोई स्वर्ण पदक नहीं मिला. इसके अलावा वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 पदक भारत के खाते में आया.

इन आंकड़ों को देखें तो भारत के 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए. बॉक्सिंग और एथलेटिक्स ने 10-10 पदक दिलाए, जबकि वेटलिफ्टिंग ने 8 और पैरा एथलेटिक्स ने 6 पदक जीते. जूडो से 4 पदक मिले. बाकी 2 पदक अन्य खेलों से आए.